चलव भौंरा

चलाबो

लेखकः सुरेन्द्र पाण्डे
चित्रकारः नीलेश गहलोट

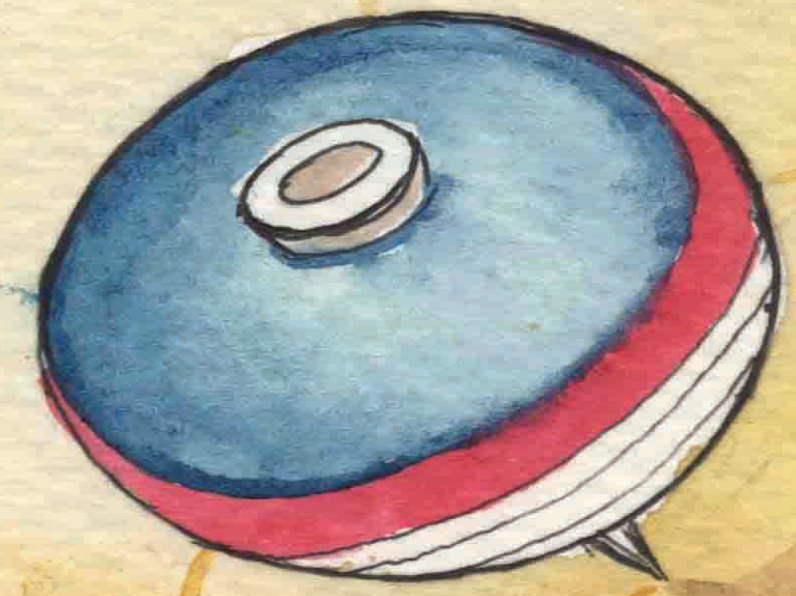

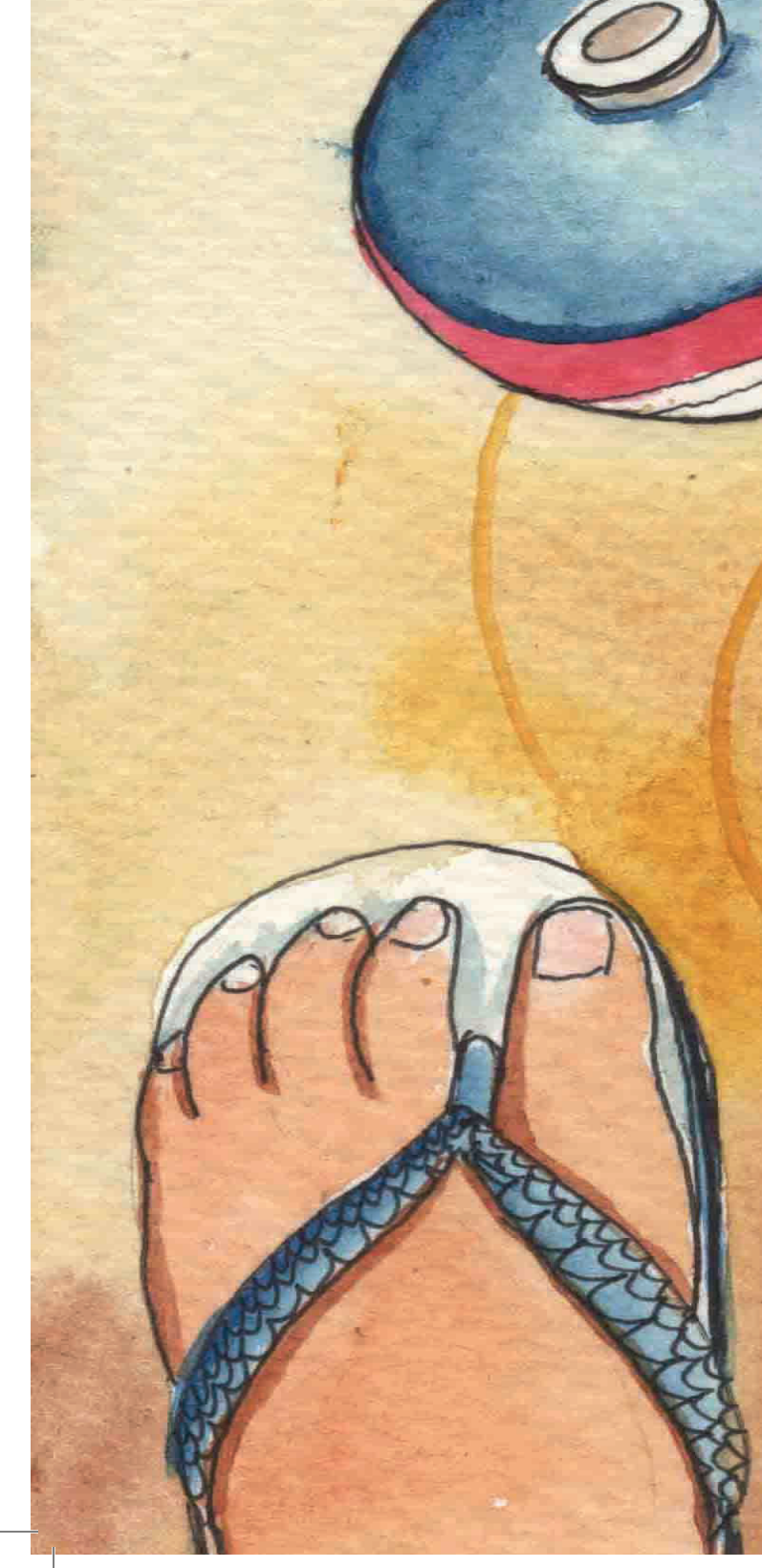

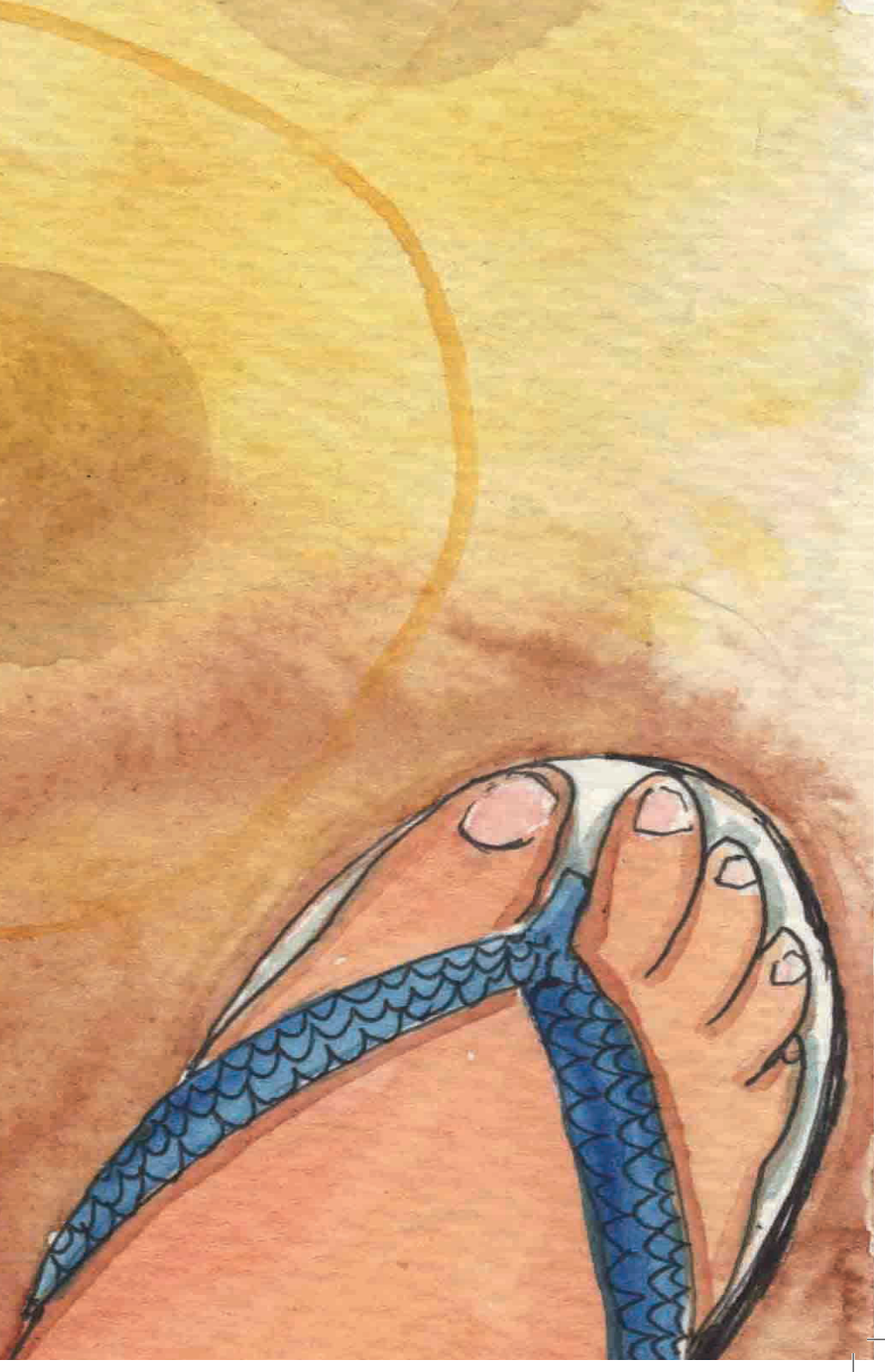

Copyright © Language and Learning Foundation 2019
All rights reserved.

इतवार के दिन भोला हा घर
म रिहिस।

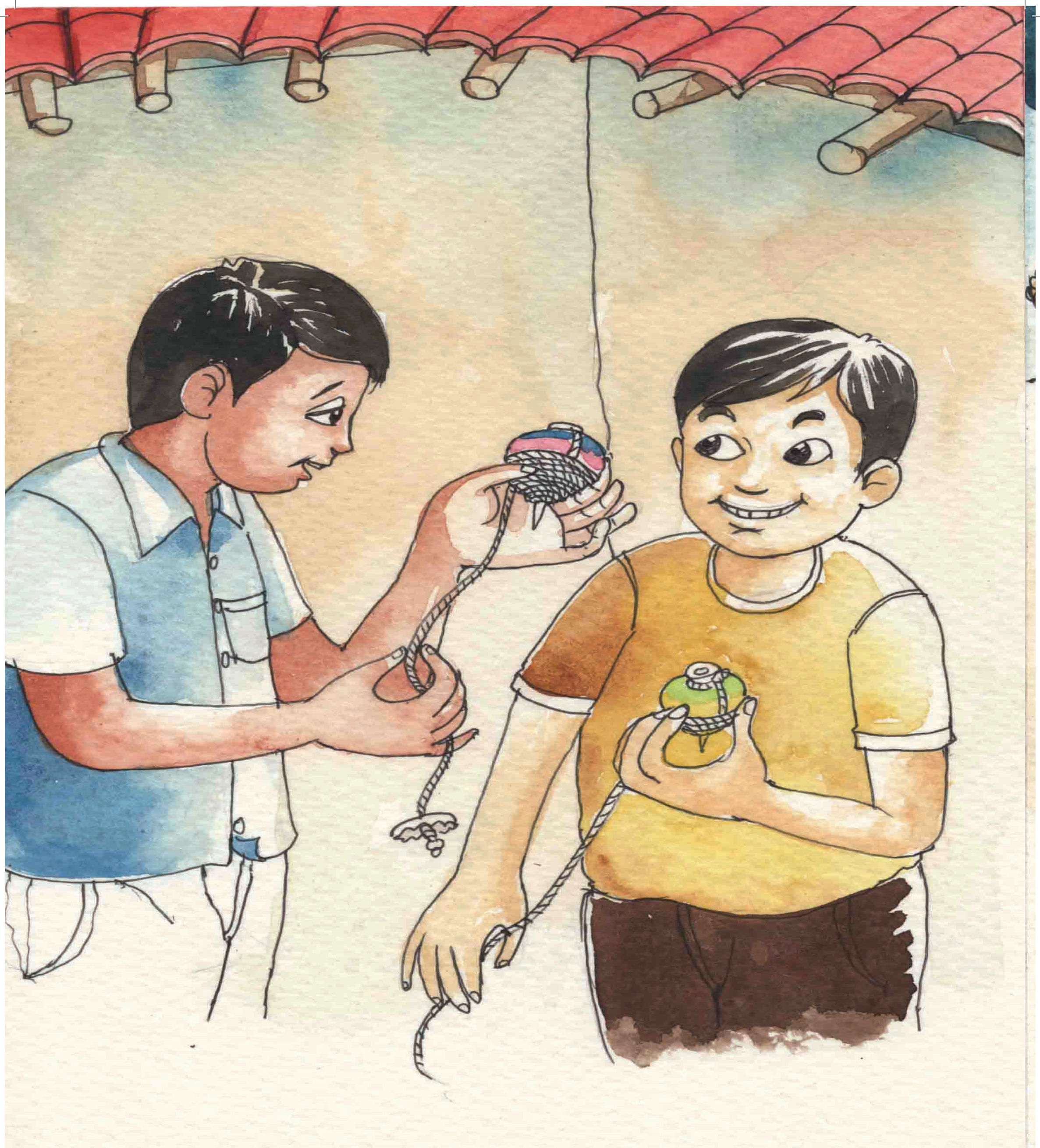

सुतरी अऊ भौंरा धर के वो हा
केसव के घर गिस।

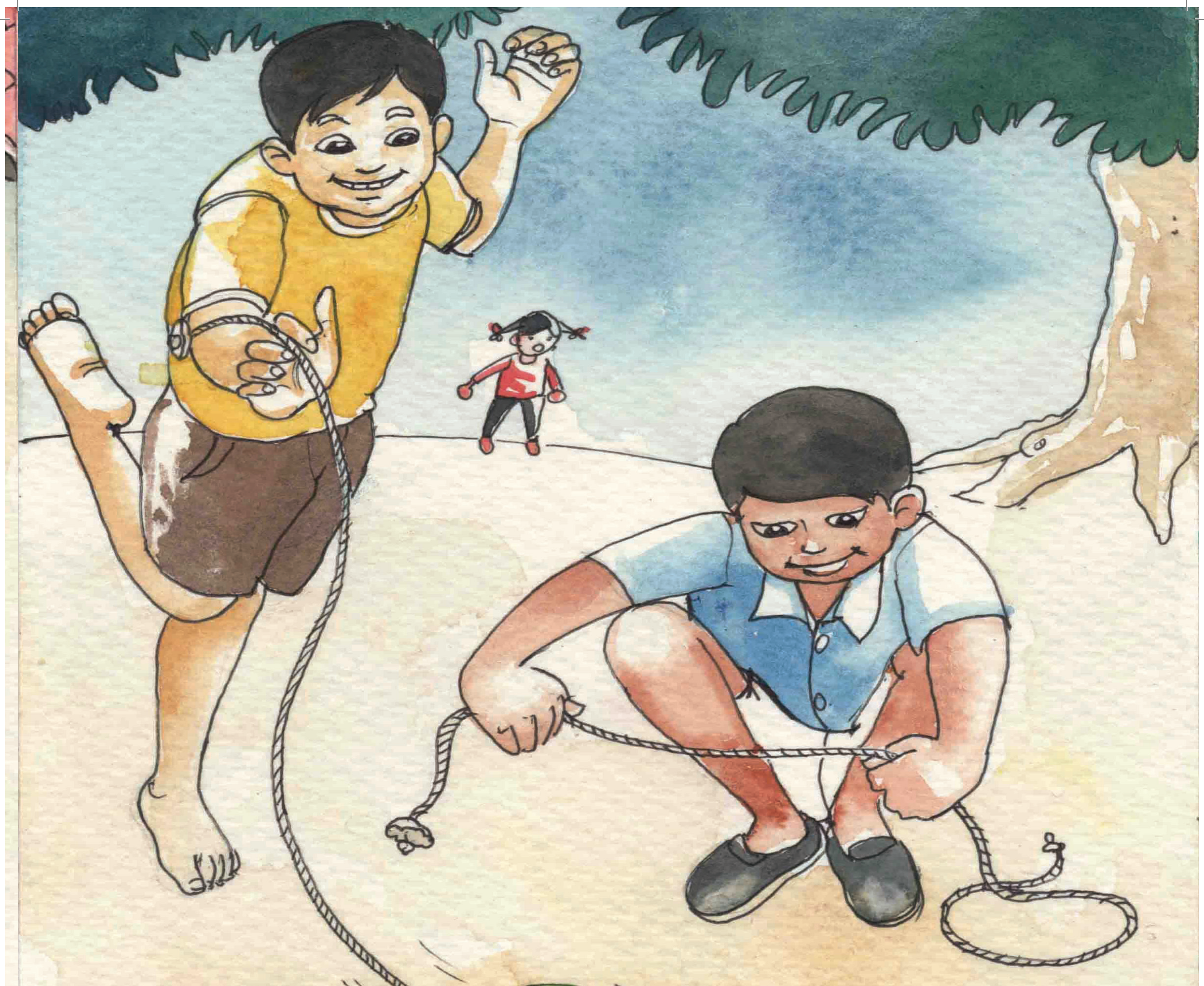

दूनों संगवारी भौंरा
चलाय लागिन।

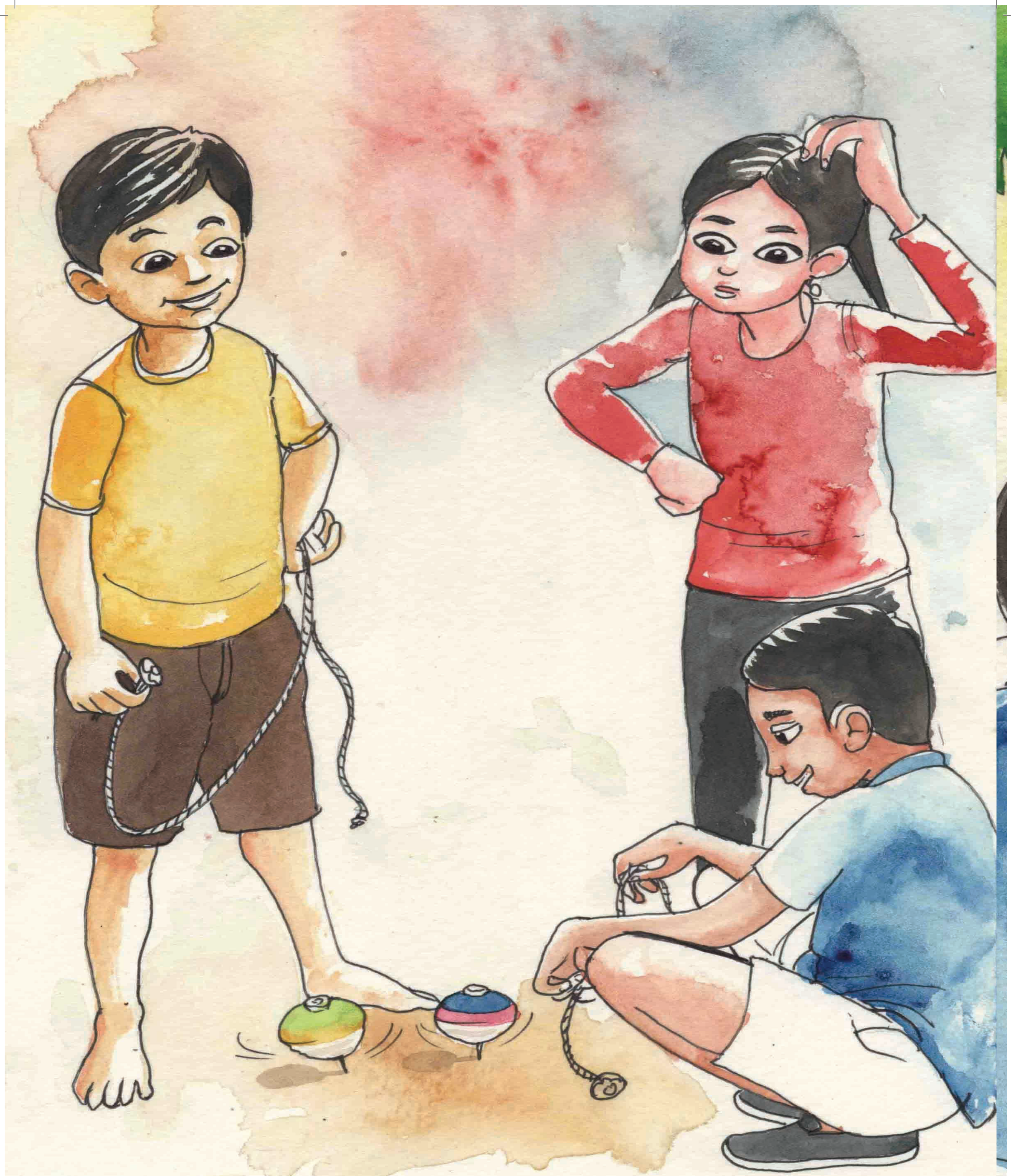

हेमा घलो खेले बर तीर
म आगिस।

हेमा कर भौंरा नई रिहिस फेर ओखरो मन भौंरा चलाय के रिहिस।

केसव भोला ल कहिथे पहिली हमन दूनो भौंरा चलाबो जेखर भौंरा पहिली गिरही वोला हेमा चलाही।

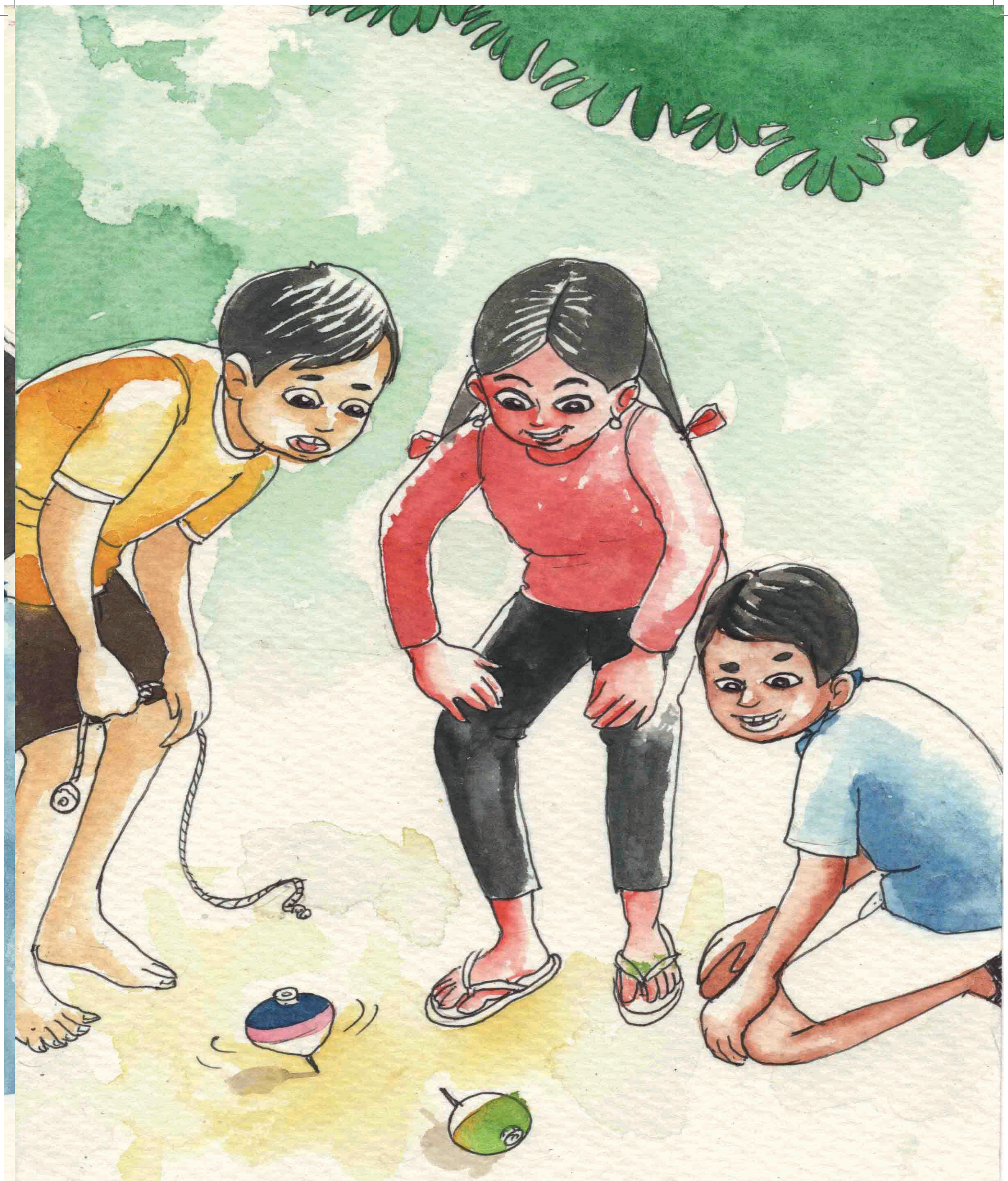

अब खेल चालू होगे।

तीनों संगवारी पारी पारी ले
भौंरा चलाइस। सब्बो झन ल
बड़ मजा आईस।

चलव भौंरा चलाबो

इतवार के भोला हा घर म रिहिस। सुतरी अऊ भौंरा धर के वो हा केसव के घर गिस। दूनों संगवारी भौंरा चलाय लागिन। हेमा घलो खेले बर तीर म आगिस। हेमा कर भौंरा नई रिहिस फेर ओखरो मन भौंरा चलाय के रिहिस। केसव भोला ल कहिथे पहिली हमन दूनो भौंरा चलाबो जेखर भौंरा पहिली गिरही वोला हेमा चलाही। अब खेल चालू होगे। तीनों संगवारी पारी पारी ले भौंरा चलाइस। सब्बो झन ल बड़ मजा आईस।

चलो लट्टू चलाएँ

इतवार के दिन भोला घर में था। वह रस्सी और भौंरा लेकर केशव के घर गया। दोनों दोस्त मैदान में जाकर भौंरा चलाने लगे। हेमा भी मैदान में आ गई। उसके पास भौंरा नहीं था लेकिन उसे भी भौंरा चलाने का मन हो रहा था। तब केशव ने भोला से कहा, कि हम दोनों पहले भौंरा चलाएंगे। जिसका भौंरा पहले गिरेगा उसके बदले हेमा भौंरा चलाएगी। अब खेल शुरू हो गया स तीनों दोस्तों को बारी-बारी से भौंरा चलाने को मिला। सभी को बहुत मजा आया।

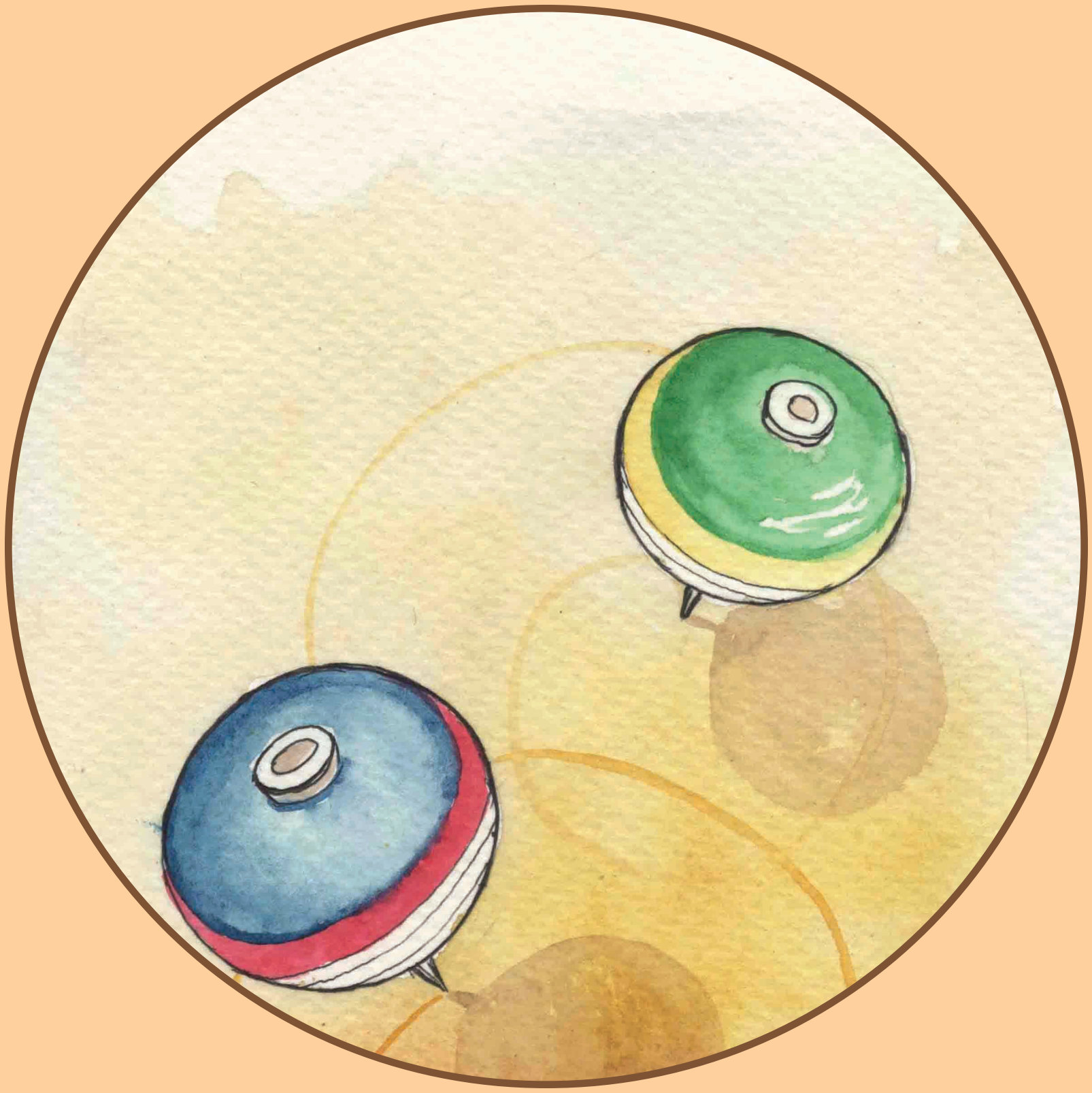

Designed by www.stelladesignandprint.com

LLF Language and Learning foundation

शिक्षा का अधिकार

सब पढ़ें सब बढ़ें